पाठ्यक्रम

एम.फिल. एवं पीएच.डी.

(2014 - 2015)

हिन्दी विभाग
मानविकी एवं भाषा संकाय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया : परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना 1920 में अलीगढ़ में हुई थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार }kj{k चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्रहित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैख़ुलहिन्द मौलाना महमूद हसन, मौलाना मोहम्मद अली, हकीम अजमल ख़ां, डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी, अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डॉ. ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन लोगों ने न केवल जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की, बल्कि इस चमन को अपने ख़ून-पसीने से सींच कर आबाद भी किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया 1925 में अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गई। तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारम्परिक जड़ों को मज़बूत किया जाए। जामिया ने इस का हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहास, उसकी संस्कृति तथा इस्लाम के इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में इस्लाम की शिक्षा के साथ-साथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म

और संस्कृति जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा दी जाए और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। जामिया के छात्र व्यक्तिगत रुचि के पाठ्यक्रमों को पढ़ते हुए भी सामाजिक उत्तरदायित्व के बोध से वंचित न हों। दूसरे विश्वविद्यालयों की तरह जामिया ने भी तकनीकी शिक्षा, बी.डी.एस, फिजियोथेरेपी इंजीनियरिंग, कॉमर्स, फ़ाइन **vkV l**, जनसंचार, सूचना तकनीक तथा विस्तार शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। यहाँ एकेडमिक स्टाफ कॉलेज तथा थर्ड वर्ल्ड स्टडीज़ एवं अध्ययन के विभिन्न केन्द्रों की भी स्थापना की गई है।

जामिया में शिक्षा का माध्यम मुख्य रूप से उर्दू, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य उच्च ज्ञान के स्रोत को ज्ञान के दूसरे क्षेत्रों के साथ जोड़ना है। विश्वविद्यालय अपने छात्रों तथा शिक्षकों को शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की सदैव कोशिश करता है। कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:

(क) शिक्षा में नवीनता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर पाठ्यक्रमों में फेरबदल। पढ़ाने के नये-नये तरीक़े तथा व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल।
(ख) विभिन्न अनुशासनों में शिक्षा।
(ग) अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन।
(घ) राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता तथा अंतर्राष्ट्रीय समझ।

हिन्दी विभाग : संक्षिप्त परिचय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में हिन्दी का पठन-पाठन विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही आरंभ हो गया था। जामिया के संस्थापकों ने हिन्दी भाषा के शिक्षण को यथोचित महत्व दिया। एक लंबे समय तक यहाँ स्नातक स्तर पर ही हिन्दी भाषा एवं साहित्य का अध्ययन-अध्यापन होता रहा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने से कुछ वर्ष पूर्व 1983 में यहाँ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया। एम. ए. के पाठ्यक्रम में शुरू से ही जनसंचार तथा रचनात्मक लेखन को महत्व दिया गया और रचनात्मक लेखन एवं पत्रकारिता को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में इस प्रकार का यह पहला पाठ्यक्रम था। सन् 1994 में विभाग में जनसंचारपरक लेखन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया गया। इसकी सफलता को देखते हुए सन् 2001 में हिन्दी विभाग में टी. वी. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किया गया। सम्प्रति हिन्दी विभाग में इन दोनों डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अलावा बी. ए. ऑनर्स मास मीडिया (हिन्दी), एम. ए. और एम. फिल् का अध्ययनअध्यापन हो रहा है। सन् 1985 से निरंतर यहाँ शोध-कार्य (पीएच. डी.) भी हो रहा है। विभाग साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन संबंधी शोध कार्यों को प्रोत्साहन देता है। हिन्दी विभाग में जामिया का एक अनिवार्य पाठ्यक्रम 'हिन्दू धर्म शास्त्र' भी पढ़ाने की व्यवस्था है।

विभाग के अनेक सदस्य विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं तथा विदेशों में भी हिन्दी अध्यापन का कार्य कर चुके हैं।

विभागीय सदस्य

1. प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्त (अध्यक्ष), एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
2. प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)
3. प्रो. हेमलता महिश्वर, एम.ए., बी. एड., एम.फिल्., पीएच. डी. (गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर)
4. डॉ. कृष्ण कुमार कौशिक, एम.ए., एम.फिल्., पीएच. डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
5. डॉ. अनिल कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
6. डॉ. इन्दु वीरेन्द्रा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
7. डॉ. चन्द्रदेव सिंह यादव, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
8. डॉ. नीरज कुमार, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
9. डॉ. कहकशां एहसान साद, एम.ए., पीएच. डी. (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़)
10. डॉ. विवेक दुबे, एम.ए., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
11. डॉ. दिलीप कुमार शाक्य, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी.(जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

12. डॉ. अब्दुर्रहमान मुसव्विर, एम. ए., एम. एड., पी.जी. डिप्लोमा मास मीडिया, एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
13. डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली)
14. डॉ. अजय कुमार नावरिया, एम. ए., एम. फिल्., पीएच. डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

एम.फिल. हिन्दी

अनुक्रम		पृष्ठ सं.
सत्र-1		
पाठ्यक्रम-1	साहित्य के अभिगम	13
पाठ्यक्रम -2	साहित्य और अनुसंधान	15
सत्र-2		
पाठ्यक्रम -3	तुलनात्मक साहित्य	19
पाठ्यक्रम -4	साहित्य का पाठालोचन	21
सत्र- 3 एवं 4		
	लघु शोध प्रबंध एवं मौखिकी	25

पीएच.डी. हिन्दी

अनुक्रम		
पाठ्यक्रम -1	साहित्य के अभिगम	29
पाठ्यक्रम -2	साहित्य और अनुसंधान	31

एम. फिल. हिन्दी

सत्र -1

पाठ्यक्रम - 1 साहित्य के अभिगम 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **साहित्यिक अध्ययन की पृष्ठभूमि**

साहित्य के अभिगम : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

विचारधारा, सैद्धांतिकी एवं विमर्श

साहित्य और अभिगम के अंत:संबंध

इकाई- 2 **साहित्य के अध्ययन की पद्धतियाँ**

अंतर-अनुशासनात्मक

अंतर्पाठीय

ऐतिहासिक

सांस्कृतिक

इकाई -3 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत-1**

मार्क्सवाद

मनोविश्लेषणवाद

संरचनावाद

इकाई -4 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत-2**

अस्तित्ववाद

आधुनिकतावाद

उत्तर-आधुनिकतावाद

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	साहित्य चिंतन	देवेन्द्र इस्सर
2.	नयी समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
3.	हिन्दी भाषा का समाज शास्त्र	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4.	विज्ञान और दर्शन	एम.एन. राय अनु. नन्दकिशोर आचार्य
5.	धर्मग्रंथों का पुनर्पाठ	मुद्राराक्षस
6.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
7.	भारतीय समाज एवं विचारधाराएँ	डी. आर. जाटव
8.	सामाजिक एवं मानववादी विचारक	डी. आर. जाटव
9.	मार्क्सवाद क्या है	यशपाल
10.	वैज्ञानिक भौतिकवाद	राहुल सांस्कृत्यायन
11.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	डॉ. शिवकुमार मिश्र
12.	अस्तित्ववाद	शिवप्रसाद सिंह
13.	वित्तीय पूंजी और उत्तर आधुनिकता	राजेश्वर सक्सेना
14.	अस्तित्ववाद और मानववाद	ज्यां पॉल सार्त्र अनु. जवरीमल्ल पारख
15.	आधुनिकतावाद	दुर्गाप्रसाद गुप्त
16.	आधुनिकतावाद और साहित्य	दुर्गाप्रसाद गुप्त

पाठ्यक्रम - 2 साहित्य और अनुसंधान 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई -1 **हिन्दी अनुसंधान का इतिहास एवं विकास**

हिन्दी साहित्य में अनुसंधान का इतिहास

हिन्दी अनुसंधान का क्रमिक विकास

हिन्दी के प्रारम्भिक महत्वपूर्ण शोध प्रबंध

इकाई-2 **अनुसंधान की दृष्टियाँ**

अनुसंधान का स्वरूप

तथ्यानुसंधान और तथ्यपरीक्षण

अनुसंधान दृष्टि एवं रचनात्मकता

इकाई-3 **अनुसंधान की पद्धति एवं भाषा**

अनुसंधान की पद्धति एवं तकनीक

अनुसंधान की भाषा

इकाई-4 **शोध-प्रबंध का स्वरूप**

शोध की रूपरेखा

उद्धरण और संदर्भ

अनुक्रमणिका तथा सहायक ग्रंथ सूची

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. शोध सिद्धांत	डॉ. नगेन्द्र
2. अनुसंधान की प्रक्रिया	डॉ. सावित्री सिन्हा और डॉ.विजयेन्द्र स्नातक
3. अनुसंधान	डॉ. सत्येन्द्र
4. अनुसंधान प्रविधि	एस. एन. गनेशन
5. शोध प्रविधि	डॉ. विनय मोहन शर्मा
6. नवीन शोध विज्ञान	डॉ. तिलक सिंह
7. शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	डॉ. राम कुमार खण्डेलवाल तथा चन्द्रभान रावत

एम. फिल. हिन्दी

सत्र- 2

पाठ्यक्रम-3 तुलनात्मक साहित्य 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई-1 **तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप**

तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा

तुलनात्मक साहित्य का इतिहास

तुलनात्मक साहित्य का क्रमिक विकास

इकाई-2 **भारतीय तुलनात्मक साहित्य**

राष्ट्रीय साहित्य और विश्व साहित्य

भारतीय साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ

इकाई-3 **तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद**

तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद का महत्व

भारतीय साहित्य की अवधारणा के विकास में अनुवाद की भूमिका

विश्व साहित्य और अनुवाद

इकाई-4 **हिन्दी साहित्य में तुलनात्मक अध्ययन के प्रमुख क्षेत्र**

(क) मध्यकालीन

(ख) आधुनिक काव्य

(ग) कथा साहित्य

(घ) नाट्य साहित्य

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	तुलनात्मक साहित्य की भूमिका	इंद्रनाथ चौधुरी
2.	सर्जना और संदर्भ	अज्ञेय
3.	तुलनात्मक साहित्य	डॉ. नगेन्द्र
4.	COMPARATIVE LITERATURE AND LITERARY THEORY	R.K.DHAWAN (ED)
5.	COMPARATIVE LITERATURE	NAGENDRA (ED)

पाठ्यक्रम-4 साहित्य का पाठालोचन 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई-1 **पाठालोचन का स्वरूप एवं पद्धति**
पाठालोचन का अभिप्राय
पाठालोचन के सिद्धांत
पाठालोचन की पद्धति

इकाई-2 **पाठालोचन एवं शोधकार्य**
पाठालोचन का इतिहास
पाठालोचन पद्धति से किए गए शोध-कार्य

इकाई-3 **पाठालोचन की समस्याएँ एवं वैचारिकता**
पाठालोचन की समस्याएँ
वैचारिक आग्रह और पाठालोचन

इकाई-4 **व्यावहारिक पक्ष**
प्रामाणिक पाठ निर्धारण हेतु किसी एक रचना की दो प्रतियों का पाठालोचन

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. पाण्डुलिपि सम्पादन कला — राम गोपाल शर्मा दिनेश
2. पाठालोचन — मिथिलेश कांति, विमलेश कांति
3. पाठानुसंधान — डॉ. सियाराम तिवारी
4. भारतीय पाठालोचन की भूमिका — डा.एस.एम.कात्रे

एम. फिल. हिन्दी

सत्र- 3 एवं 4

सत्र 3 एवं 4

लघु 'kks/k प्रबन्ध एवम मौखिकी

	अंक	**8 क्रेडिट**
लघु शोध प्रबंध	150	6 क्रेडिट
मौखिकी	50	2
		कुल 24 क्रेडिट

पी.एच.डी.

हिन्दी

पाठ्यक्रम-1 साहित्य के अभिगम 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई- 1 **साहित्यिक अध्ययन की पृष्ठभूमि**

साहित्य के अभिगम : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

विचारधारा, सैद्धांतिकी एवं विमर्श

साहित्य और अभिगम के अंत:संबंध

इकाई- 2 **साहित्य के अध्ययन की पद्धतियाँ**

अंतर-अनुशासनात्मक

अंतर्पाठीय

ऐतिहासिक

सांस्कृतिक

इकाई -3 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत-1**

मार्क्सवाद

मनोविश्लेषणवाद

संरचनावाद

इकाई -4 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत-2**

अस्तित्ववाद

आधुनिकतावाद

उत्तर-आधुनिकतावाद

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1.	साहित्य चिंतन	देवेन्द्र इस्सर
2.	नयी समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
3.	हिन्दी भाषा का समाज शास्त्र	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4.	विज्ञान और दर्शन	एम.एन. राय अनु. नन्दकिशोर आचार्य
5.	धर्मग्रंथों का पुनर्पाठ	मुद्राराक्षस
6.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
7.	भारतीय समाज एवं विचारधाराएँ	डी. आर. जाटव
8.	सामाजिक एवं मानववादी विचारक	डी. आर. जाटव
9.	मार्क्सवाद क्या है	यशपाल
10.	वैज्ञानिक भौतिकवाद	राहुल सांस्कृत्यायन
11.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	डॉ. शिवकुमार मिश्र
12.	अस्तित्ववाद	शिवप्रसाद सिंह
13.	वित्तीय पूंजी और उत्तर आधुनिकता	राजेश्वर सक्सेना
14.	अस्तित्ववाद और मानववाद	ज्यां पॉल सार्त्र अनु. जवरीमल्ल पारख
15.	आधुनिकतावाद	दुर्गाप्रसाद गुप्त
16.	आधुनिकतावाद और साहित्य	दुर्गाप्रसाद गुप्त

पाठ्यक्रम-2 साहित्य और अनुसंधान 4 क्रेडिट 100 (75+25)

इकाई -1 **हिन्दी अनुसंधान का इतिहास एवं विकास**

हिन्दी साहित्य में अनुसंधान का इतिहास

हिन्दी अनुसंधान का क्रमिक विकास

हिन्दी के प्रारम्भिक महत्वपूर्ण शोध-प्रबंध

इकाई-2 **अनुसंधान की दृष्टियाँ**

अनुसंधान का स्वरूप

तथ्यानुसंधान और तथ्यपरीक्षण

अनुसंधान दृष्टि एवं रचनात्मकता

इकाई-3 **अनुसंधान की पद्धति एवं भाषा**

अनुसंधान की पद्धति एवं तकनीक

अनुसंधान की भाषा

इकाई-4 **शोध-प्रबंध का स्वरूप**

शोध की रूपरेखा

उद्धरण और संदर्भ

अनुक्रमणिका तथा सहायक ग्रंथ सूची

अंक विभाजन

पूर्णांक	100		
आंतरिक मूल्यांकन	25	टर्म पेपर	10
		सेमिनार	15
सैद्धांतिक	75	आलोचनात्मक प्रश्न	20X3=60
		टिप्पणी	5X3=15

अनुमोदित ग्रंथ

1. शोध सिद्धांत	डॉ. नगेन्द्र
2. अनुसंधान की प्रक्रिया	डॉ. सावित्री सिन्हा और डॉ.विजयेन्द्र स्नातक
3. अनुसंधान	डॉ. सत्येन्द्र
4. अनुसंधान प्रविधि	एस. एन. गनेशन
5. शोध प्रविधि	डॉ. विनय मोहन शर्मा
6. नवीन शोध विज्ञान	डॉ. तिलक सिंह
7. शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	डॉ. राम कुमार खण्डेलवाल तथा चन्द्रभान रावत